ब्रह्मा बाबा के पद्चिन्हों पर चल ऊँची स्थिति को प्राप्त करें

नेपाल-काठमाण्डू। ब्रह्माकुमारीज़ के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के 50वें स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्मा बाबा को श्रद्धासुमन अर्पित करने के पश्चात् नेपाल के राष्ट्रीय सभा के सम्माननीय अध्यक्ष गणेश प्रसाद तिमिल्सिना ने कहा कि मानव जीवन में जब तक शान्ति नहीं आती, तब तक भौतिक समृद्धि कितनी भी ऊँचाई पर हो, लेकिन मनुष्य सच्चे सुख और अमन चैन का अनुभव नहीं कर सकता। इस दिशा में ब्रह्मा बाबा ने जो महान कार्य किये, वह बहुत प्रशंसनीय और प्रेरणादायी हैं। पूर्व मंत्री तथा कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता केशवलाल श्रेष्ठ ने कहा कि ब्रह्मा बाबा के ज्ञान दर्शन से ही मानव की सोच में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है। उन्होंने बताया कि सही अर्थ में समाजवाद का ज्वलंत उदाहरण मैंने खुद ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउण्ट आबू के शांतिवन में अनुभव किया है।

मंचासीन हैं नेपाल के राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष गणेश प्रसाद तिमिल्सिना, कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता केशवलाल श्रेष्ठ, ब्र.कु. राज दीदी, ब्र.कु. रामसिंह तथा अन्य।

ब्र.कु. राज दीदी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि ब्रह्मा बाबा का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। यदि हम पूरी ईमानदारी के साथ ब्रह्मा बाबा की शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करें तो हम भी उनके समान श्रेष्ठ बन सकते हैं। आज के तनावपूर्ण वातावरण में मानव को इन शिक्षाओं और प्रेरणाओं की अत्यंत आवश्यकता है। ब्र.कु. रामसिंह ने भी अपने प्रेरणादायी विचार रखे। इस अवसर पर सभी ने ब्रह्मा बाबा को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके पद्चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

चमत्कारिक शक्ति का प्रयोग करते-करते हम क्या खुद को चमत्कारिक बना पा रहे हैं? चमत्कार हमारे निजी गुणों में शामिल है। वो गुण जो सबको हर तरह से सुख, शांति, प्रेम, आनंद का अनुभव कराये, वही असली चमत्कार माना जायेगा। लेकिन हम व्यक्तिगत रूप से, चाहे सार्वजनिक रूप से इन चीज़ों को समझ पाने में शायद असमर्थ हैं। क्योंकि हम इसका प्रयोग चीज़ों को प्राप्त करने में कर रहे हैं, ना कि दूसरों को सुख देने में।

बहुत सारे ऐसे लोग आपको दुनिया में मिलेंगे, जो मन की शक्ति या अंतर्मन की शक्ति को इसलिए बढ़ाने का प्रयास करवाते हैं, ताकि आप जीवन में उन चीज़ों को अपनी तरफ ले आ पायें जो आपके शरीर को कुछ हद तक ठीक कर सके। लेकिन हुआ ये है कि जितना हम चीज़ों को अपनी तरफ मन की शक्ति का प्रयोग करके आकर्षित करते गये, उतनी ही हमारी शक्तियां कमज़ोर होती चली गईं। इसको ऐसे समझ सकते हैं कि अगर कोई चीज़ आपके पास आ भी गई तो उसको मेन्टेन करने में आपकी सारी ऊर्जा नष्ट होती चली जाती है। तो पहले तो हमने चीज़ों को इकट्ठा करने में समय गंवाया, बाद में उन्हीं चीज़ों को मेन्टेन करने में हमारा सारा समय जा रहा है। क्या इसीलिए मन की शक्ति है, जो सिर्फ स्थूल कार्य करते हुए जीवन बिता दे। और बाद में पता चले कि कुछ भी हासिल नहीं हुआ। हम आज इन बातों को आपके सामने रखने की कोशिश इसलिए कर रहे हैं ताकि आपको एहसास हो कि मन को स्थूल कार्यों के लिए यूज़ मत करो। इसको उस कार्य के लिए यूज़ करो जिससे आपकी शक्तियां आंतरिक रूप से बढ़ें। जब ये शक्तियां आंतरिक रूप से बढ़ेंगी तो स्वतः ही स्थूल चीज़ें आपके पास आ जायेंगी। प्रकृति का नियम भी है कि यदि आप अपने आप को उस योग्य बना लेते हैं, तो योग्यता के अनुसार आपके पास चीज़ें भी आ जाती हैं। बड़ा सीधा और सरल उदाहरण है कि दुनिया में जितने लोग बड़े हुए, सबसे पहले उन्होंने अपनी योग्यता पर काम किया, मन की सूक्ष्म शक्तियों को ज्ञान के माध्यम से बढ़ाया और बाद में उन शक्तियों का प्रयोग नैचुरल तरीके से होने लगा। सभी उनके पास इसी तरह से आने लगे और प्रकृति की सारी चीज़ें उनको प्रदान करने लगे। जैसे कोई नेता सिर्फ अहिंसा पर काम करे तो वो अहिंसा के उन गुणों को अपने अंदर विकसित करना शुरू करेगा जिससे उसके अंदर हर एक चीज़ के प्रति हिंसात्मक भाव निकल जायेगा। वो तब होगा, जब वो उसपर गहराई से चिंतन करेगा कि ये भी हिंसा है, ये भी हिंसा है। जैसे बुरा सोचना, बुरा बोलना, बुरा करना, सब हिंसा ही तो है। जब हम ये चीज़ छोड़ेंगे, तो अपने ऊपर उपकार करेंगे। और यही उपकार खुद के गुण के रूप में बदल जायेगा। फिर लोग आपको अहिंसात्मक बोलेंगे। इतिहास गवाह है कि इस दुनिया में जो भी सफलतम व्यक्ति है, वो कभी भी स्थूल चीज़ों पर अपने समय, अपने संकल्प खर्च नहीं करते। उन्होंने सिर्फ और सिर्फ अपने ऊपर काम किया, अपनी पढ़ाई के ऊपर, अपने टैलेंट के ऊपर, अपनी खुद की बातों को धारण करने के ऊपर। सारा संसार बाद में उनको उसी तरह से देखता और अनुभव करता। तो हर कोई आपको सफलतम तब मानता है जब आपके चरित्र और गुणों का विकास हो। अगर आपके पास सिर्फ स्थूल चीज़ें हों और चरित्र ना हो, तो लोग आपको किस नज़र से देखते हैं! कि अरे, ये व्यक्ति इतना धन कमाता, इतने सारे इसने काम किये, लेकिन इसके चरित्र में वो निर्मानता नहीं है। इसलिए अपने चरित्र को विकसित करने पर अपनी मन की शक्ति का उपयोग करें, ना कि स्थूल धन के पीछे अपनी शक्तियों को नष्ट करें।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-9(2018-2019)

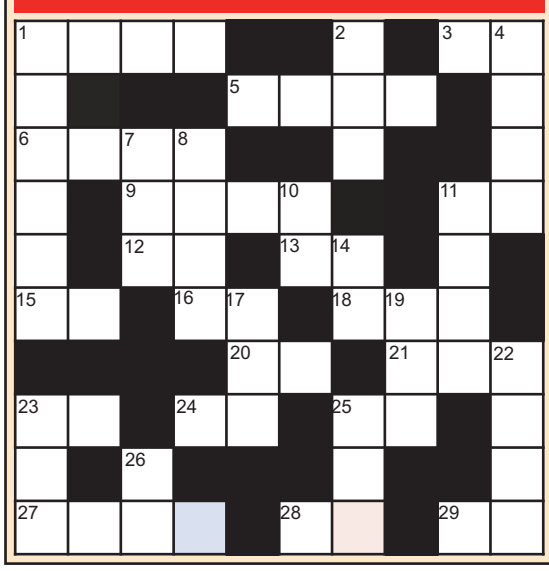

ऊपर से नीचे

1. ज्ञान की बुलबुल बन...करते रहना है (3-3)
2. जिसका ज़मीन से कोई रिश्ता न हो (3)
4. स्वर्ग के बाद सभी देवतायें...में चले जाते हैं, गिरती कला (4)
7. स्थापना, विनाश और फिर...ये राइट है, विष्णु द्वारा...(3)
8. बूंद-बूंद करके पानी गिरना (4)
10. नखरा, ठसक, गर्व (2)
11. एक मुझे,...बाप को याद करो (4)
14. गीला, आर्द्र (2)
17. बच्चे तो...होते हैं, महान आत्मा, सन्यासी (3)
19. सीता, राम की पत्नी का एक नाम (3)
22. दुर्बला, ताकतहीन, लाचार (4)
23. माया ने तुम बच्चों को...किया है बाप फिर से आकर सुरजीत करते हैं (3)
25. झरोखे से देखना, झुककर देखना (3)
26. थोड़ा, अल्प (2)

बाएं से दाएं

1. घड़ी की मुआफिक यह...चलता ही रहता है (4)
3. कलियुग का फ्रूट, औषधि (2)
5. शरीर से सम्बंधित, दैहिक (4)
6. लूटना और मारना, लूटमार (4)
9. पकड़ना, फुर्ती से उठाना (4)
11. रास्ता, राह (2)
12. नासिका, नथना, इज्जत (2)
13. लोग, जनता (2)
15. नमक, आपस में...पानी नहीं होना है (2)
16. ...मान-शान से उपराम रहना है (2)
18. मसखरी, हँसी (3)
20. यह...और जीत का खेल है, पराजित (2)
21. शास्त्रों में ज्ञान आटे में...मिसल है (3)
23. अज्ञानी, नासमझ (2)
24. आ से...प से परमात्मा (2)
25. सुखद अवलोकन, संक्षिप्त दर्शन, मनोहर दृश्य (2)
27. वाद-विवाद, झगड़ा (4)
28. अपना...खराब नहीं करना है, भोजन (2)
29. निचोड़, निष्कर्ष (2)

-ब्र.कु. राजेश, शान्तिवन

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग का सुविनियर भेंट करते हुए राजयोगी ब्र.कु. प्रकाश,माउण्ट आबू।

मुम्बई-डोम्बिवली। ज्हानवीज़ मल्टी फाउण्डेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल मूवी फेस्टिवल' में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित ओमशान्ति मीडिया पत्रिका के सम्पादक राजयोगी ब्र.कु. गंगाधर को मामेन्टो देकर सम्मानित करते हुए राजकुमार एम.कोल्हे,प्रेसीडेंट एंड सी.ई.ओ.,जे.एम.एफ. एजुकेशनल ट्रस्ट तथा श्रीमती प्रेरणा कोल्हे। साथ हैं ज्हानवी कोल्हे, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी बहन तथा अन्य।

नैनीताल-उत्तराखण्ड। 'विंटर कार्निवल फूड फेस्टिवल' में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आध्यात्मिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। तत्पश्चात् ब्र.कु. वीणा को सर्टिफिकेट तथा शील्ड देकर सम्मानित करते हुए त्रिलोक सिंह मरतोलिया,जी.एम.,कुमाऊँ मंडल विकास निगम तथा हरबीर सिंह,ए.डी.एम.। साथ हैं ब्र.कु. ओम प्रकाश व अन्य।

पठानकोट-पंजाब। 'सात अरब सत्कर्मों की महायोजना' कार्यक्रम में ब्र.कु. रामप्रकाश,न्यूयॉक को सम्मानित करते हुए लायन्स क्लब के अध्यक्ष यशपाल शर्मा, हिन्दु सिक्ख एकता क्लब के अध्यक्ष निर्मल सिंह, चामुंडा समाज सेवा समिति के प्रधान जे.के. चोपड़ा तथा अन्य संस्थाओं के सदस्य।

बारानगर-प.बंगाल। राजयोगिनी दादी जानकी के 103वें जन्म दिवस पर आयोजित रक्त दान शिविर में उपस्थित हैं मेडिकल बैंक के सेक्रेट्री डी.आशीष, नगरपालिका उपाध्यक्ष जयन्त रॉय, पार्षद अंजन पॉल, पार्षद बासब बोस, आलमबाज़ार मठ के मधु महाराज, क्वेस्ट फॉर लाइफ स्वेच्छा सेवी संस्था के प्रेसीडेंट सोम सरखेल मुखर्जी, सेक्रेट्री अनुपम भट्टाचार्य तथा ब्र.कु. किरण।

गोण्डा-उ.प्र.। कमिश्नर सुधेश कुमार ओझा को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् सौगात देते हुए ब्र.कु. दिव्या।